Earthquake Hazard, Mock Exercise

Uttarkashi, Chamoli, Bageshwar and

Pithoragarh Districts, Uttarakhand

Earthquake Hazard, Mock Exercise – Uttarkashi, Chamoli, Bageshwar and Pithoragarh Districts, Uttarakhand

1. Uttarakhand comes under Seismic zone V & IV. Four most vulnerable districts viz. Uttarkashi, Chamoli, Bageshwar and Pithoragarh were chosen for conduct of Mock Exercise on Earthquake.

2. The Coordinating Conference and Table Top Exercise were held on 18 November 2006 and 13 April 2007 respectively in Dehradun.

3. The Mock Exercise was conducted on 08/09 May 07 in four identified districts of Uttarakhand. Prior to the exercise, one day workshop was organised for 40 observers from 6 neighbouring districts.

Detail of Participants: -

4. **Coordination Conference.** Prof NVC Menon, Sh M S Reddy, Member NDMA, Chief Secretary, DM Secretary Uttarakhand, DG Police, IG (Law & Order) Cdr Dehradun Sub Area, Concerned Secretaries of State and District Magistrates of the four districts.

5. **Table Top Exercise.** Prof N VC Menon, Member, NDMA, Chief Secretary, Uttarakhand, Principal Secretary, Disaster Management, DG Police, IG Law & Order, Cdr Dehradun Sub Area, concerned Secretaries of State, Additional Director, Health, Comdt NDRF Bn, DMs & SPs of the four identified districts, ED and Faculty DMMC attended the Table Top Exercise. Selected representatives from the community, NGOs and Red Cross and Sarpanches also participated. It was conducted by Specialist (Training and Capacity Building), NDMA.

6. **Mock Exercise.** Two Members of NDMA, Chief Secretary, DM Secretary, Uttarakhand, ED & Faculty DMMC, 40 observers (SDMs, Tehsildars, Addl SPs etc) of all four districts, NDRF Bn (four teams), NGOs etc, over 10000 personnel and state, district and local government machinery took part.

Remarks: -

7. **Shortage of Medical Staff.** There is shortage of doctors and paramedic staff at the district and below level. Specialists are not available. There are no private hospitals/ nursing homes at district and below. There was a suggestion to impart first aid training to all students from class 9 upto graduate level.

8. **Mobile Communication.** Communications are a problem in hills. Two mobile police networks at Srinagar (Uttarakhand) and Almora have been recommended.

9. **Retrofitting of Life Line Buildings.** Life line buildings have to be identified and practised for retrofitting.

10. **State Disaster Response Force.** The State should train two coys per Armed Battalion as State Disaster Response Force.

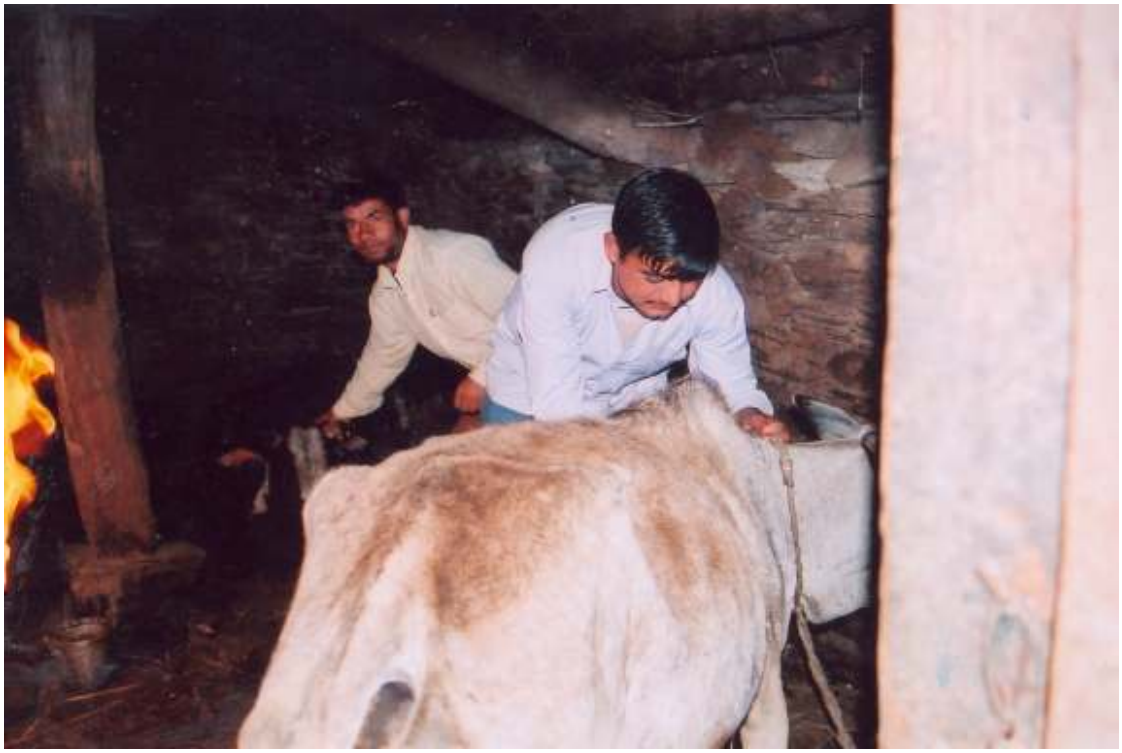

चिकित्साराहत शिविर
गढ़सेरा (सेम डाली)

UA 7D-2036

पुलिस

AMBULANCE

VISHNUGAD PIPALKOTI HYDRO

उरेडा
UTTARANCHAL RENEWABLE ENERGY DEVELOPMENT AGENCY

TABLE TOP EXERCISE
ON EARTHQUAKE PREPAREDNESS

TABLE TOP EXERCISE
ON EARTHQUAKE PREPAREDNESS
13th APRIL 2007
DEPARTMENT OF DISASTER MANAGEMENT UATTARAKHAND

2007 4 13

अमर उजाला

मंथन

गोपेश्वर जिला सभागार में विभिन्न विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते जिलाधिकारी व अन्य।

अमर उजाला

दिनांक 23 अप्रैल 2007
स्थान - जिला सभागार गोपेश्वर

डीएम ने किया आह्वान

आपदा से निपटने के लिए तैयार रहें अफसर

गोपेश्वर। जिलाधिकारी अमृत सिंह रबियाल ने यात्रा सीजन के दौरान किसी प्रकार की आपदा से बचने के लिए अधिकारियों को तैयार रहने का आह्वान किया।

यहां जिला सभागार में आगामी आठ मई को यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ाव पीपलकोटी में होने वाली कृत्रिम भूकंप की तैयारी बैठक को संबोधित करते हुए डीएम ने उक्त बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना जरूरी है। चमोली संवेदनशील जनपद है यहां लगातार आपदाएं घटती रहती हैं जिस कारण भारी जान-माल की क्षति होती है। उन्होंने कहा कि हम घटना को तो

कहा

उचित प्रबंधन से नियंत्रित हो सकती है क्षति

हर व्यक्ति का जागरूक होना जरूरी

रोक नहीं सकते है लेकिन इसकी क्षति को कम किया जा सकता है। उन्होंने इन क्षतियों को रोकने के लिए सभी विभागीय अधिकारियों को यात्रा सीजन के दौरान मुस्तैदी से कार्य कर लोगों में जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक पुष्कर सिंह सैलाल ने कहा कि संभावित भूकंप व अन्य आपदाओं से निपटने के लिए पहले ही जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बैठकों के जरिए आम जनता को जागरूक कर आपदा से निपटने के प्रयास किये जाने चाहिए। बैठक को सीडीओ शैलेश बगौली, सीएमओ धनंजय पुंडीर, आईटीबीपी के कमांडेंट आलोक जोशी, असिस्टेंट कमांडेंट कमलजीत सिंह, एसएसबी के सी. कर्नल एस सहगल, सीमा सड़क संगठन के ओसी जसवंत सिंह, आपदा प्रबंधन के जिला परियोजना अधिकारी सहित जिले के सभी उपजिलाधिकारियों ने संबोधित किया।

यात्रा: आपदा के समय कर्मचारी और ग्रामीण भी करेंगे सहायता

जोशीमठ। जिले में यात्रा काल के दौरान होने वाली दैवीय आपदाओं से निपटने के लिए नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के तत्वावधान में पार्क के कर्मचारियों व जोशीमठ के दस से अधिक गांवों के ग्रामीणों का दल उत्तरकाशी से प्रशिक्षण प्राप्त कर जोशीमठ पहुंच चुका है।

दैवीय आपदाओं की दृष्टि से अति संवेदनशील चमोली जिले में वैसे तो जिला आपदा प्रबंधन व अनेक स्वयं सेवी संस्थाओं के जरिए युवाओं को प्रशिक्षित कर दैवीय आपदाओं के दौरान इनकी मदद ली जाती है। इसी उद्देश्य से नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के कर्मचारियों सहित विकासखंड जोशीमठ के कई गांवों के ग्रामीणों ने दैवीय आपदा से निपटने के लिए उत्तरकाशी नेहरू माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण प्राप्त किया। गत दिन यह दल जोशीमठ पहुंचा। उत्तरकाशी से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के सहायक वन्य जीव प्रतिपालक केदार शाह ने बताया कि प्रशिक्षण में दैवीय आपदा से निपटने के लिए माउंट क्लाइंबिंग, सर्च एंड रेस्क्यू समेत कई अन्य विषयों पर जानकारी दी गई। इस दल में पानी, ल्वाड़ी, भलगांव, बड़गांव आदि गांवों के ग्रामीण सदस्य व नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के वीट अधिकारी महावीर चौहान, त्रिलोक सिंह, वन्य जीव आरक्षी मुकेश बहुगुणा, एसएस पंवार सहित नौ कर्मचारी शामिल थे।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अख़बार

दैनिक जागरण

छद्म भूकंप में सत्ताइस की मौत

- अधिकारियों ने छद्म भूकंप की तीव्रता 7.1 रियेक्टर बताई
- डीएम, एसपी सहित अधिकारी राहत व बचाव में जुटे

गोपेश्वर, जागरण कार्यालय: सरकारी मशीनरी को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार सुबह आए छद्म भूकंप से पीपलकोटी व उसके आसपास कौड़िया, मैठाणा, हाट, कम्यार, दिगोली, लुहा, गडोरा, मैरख, अगथला, सल्ला रैतोली, किरुली, बाटुला तथा नैकाणा के लोग प्रभावित हुए हैं। भू-विज्ञान केंद्र अधिकारियों ने छद्म भूकंप की तीव्रता 7.1 रियेक्टर बताई है। कृत्रिम भूकंप में 27 लोगों के मरने की पुष्टि हुई है।

मॉक ड्रील के तहत अफसरों को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए छद्म भूकंप का आयोजन किया गया था। जिलाधिकारी अजय सिंह नबियाल, पुलिस अधीक्षक पुष्कर सिंह सैलाल के साथ प्रशासनिक अमला बचाव व राहत कार्य में घटना के समय से ही जी जान से जुटा है। इस कृत्रिम अभ्यास में मंगलवार ग्यारह बजे तक खोज व राहत दल ने दिगोली से दो, लुहा से तीन, गडोरा से छह, मैरख से चार, सल्ला रैतोली से चार, किरुली से चार, बाटुला से चार शव बरामद किए हैं। घायलों में सत्तर पुरुष, छियासठ महिलाएं तथा सौ बच्चे चिन्हित कर स्वास्थ्य कैंप में लाए गए हैं। 34 पशुधन हानि हुई है तथा 222 पशु घायल हुए हैं।

...और पिता ने धुना बेटे को

गोपेश्वर: छद्म अभ्यास के दौरान घायलों की लाइन में बेटे की खातिर लगी एक नौनिहाल पर लगी मरहम पट्टी की सूचना जब बच्चे के पिता को लगी तो वह किसी अनहोनी की आशंका से दौड़े-दौड़े राहत कैंप में पहुंचे। सर पर लगी मरहमपट्टी देख वह रो पड़ा लेकिन इसका असली राज समझ में आने के बाद पिता ने पुत्र को ऐसा धुना कि वह रोते-रोते घर चला गया। इतने समूह में उसे [illegible] पर विलाप करने वाला कोई भी नहीं था। इस ओर जब अधिकारियों का ध्यान गया तो उन्होंने माना कि वास्तव में इस पूरे अभ्यास के दौरान यह चूक हुई है। इस अभ्यास पर लोगों ने कड़ा ऐतराज भी जताया है और कहा कि बेहतर होता कि पूर्व में आए विनाशकारी भूकम्प का मुआवजा मिला नहीं और अधिकारी छद्म भूकम्प की कल्पना कर राहत एवं बचाव पर लाखों खर्च कर रहे हैं। हालांकि बाद में इस अभ्यास से [illegible] वाले ग्रामीणों ने डीएम से मिलकर [illegible] जताया।

अभी तक 39 भवन पूर्ण क्षतिग्रस्त तथा 208 आंशिक क्षतिग्रस्त चिन्हित किए गए हैं। मृतकों में दस पुरुष, नौ बच्चे व आठ महिलाएं शामिल हैं।

प्रशासन ने खोज बचाव व राहत के लिए राहत दलों को प्रभावित स्थानों को भेजा है। राहत बचाव व खोज के लिए अन्य दल आवश्यक सामग्री लेकर प्रभावित क्षेत्रों को रवाना हो गए हैं। जिनमें एनसीसी, स्वयं सेवी संस्थाएं शामिल हैं। [illegible] तथा अन्य क्षेत्रों में पानी की सप्लाई बहाल कर दी गई है और टैंक पानी के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। ग्यारह गंभीर घायलों में से चार सिंह पुत्र आलम सिंह (60 वर्ष) तथा रणजीत सिंह पुत्र मोहन सिंह (45 वर्ष) ग्राम अगथला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। आईटीबीपी तथा एनसीसी राहत कार्य के लिए घटना स्थल पर पहुंच गए हैं।

अमर उजाला

दिनांक 9 मई 2007

जिले में कृत्रिम भूंकप का अभ्यास किया

गोपेश्वर। चमोली जिले में आज कृत्रिम भूकंप का अभ्यास किया गया। सीमांत जिले में कृत्रिम भूकंप अभ्यास ग्यारह बजकर दस मिनट पर रिक्टेयर स्केल पर 7.1 दर्शाई गई। जिसमें 29 लोगों को मृतक व कई को घायल दिखाया गया। जिले में भूकंप का केंद्र पीपलकोटी और आसपास के क्षेत्रों को दर्शाया गया।

इससे गांव कोड़िया, जैसाल, हाट, कमचार, ब्रिकोली, लौहान, पखोंग, नैरथ, आगतल्ला, सलौटिली, किरोली, बटाल व मेहरगांव अधिक प्रभावित हुए। भूकंप की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अजय सिंह नबियाल, पुलिस अधीक्षक पीएस सैलाल पुलिस व प्रशासनिक अमले के साथ खोज व राहत कार्य के लिए घटना स्थल पर पहुंचे। राहत दल द्वारा ब्रिकोली में थी, लौहान में तीन, गड़ोरा में छह, बटूली में पांच, नौरख में पांच, सलना रतौली में पांच, किरोली में चार, कमचार में चार शव बरामद किए। जिनका पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम किया गया। भूकंप प्रभावित 12 गांवों में 108 पुरुष, 106 महिलाएं, 156 बच्चे घायल हुए। जिनमें गंभीर रूप से घायल 68 लोगों को गोपेश्वर तथा छह को बेस अस्पताल श्रीनगर को रैफर किया गया। मृतकों में 10 पुरुष, नौ बच्चे, आठ महिलाएं शामिल हैं। भूकंप से क्षति का आंकलन लगभग सात करोड़ आंका गया है।

बचाव

चमोली जिले में कृत्रिम भूकंप के अभ्यास के दौरान पीपलकोटी में घायलों को उपचार लिए ले जाते आपदा प्रबंधन कर्मी।

अमर उजाला